BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

जनवरी 2016
वर्ष 1 अंक 3

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

भारतीय जैन संघटना के सक्षमीकरण कार्यक्रम

आदर्श युवा पीढ़ी

की संकल्पना को यथार्थ बनाने के प्रयास

नई पीढ़ी प्रतिभावान है *हमसे अधिक क्षमतावान है*

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से...2

युवाओं के सक्षमीकरण हेतु भारतीय जैन संघटना के रचनात्मक प्रयास.....3

युवा पीढ़ी के साथ सामंजस्यपूर्ण सम्बन्धों के संभवित नवयुग का सूत्रपात.....4

बीजेएस गतिविधियाँ : भारतीय जैन संघटना- राज्य अधिवेशन.....5

प्रतिभाएँ- जो हमारी प्रेरणास्त्रोत हैं.....6

अल्पसंख्यक सूचनाएँ, जानकारी एवं समाचार.....7

परिचय सम्मलेन-पुणे और इंदौर ...8

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

प्रिय आत्मजन,

वर्ष 2016 का आगमन, हम सभी के जीवन में आनंद एवं हर्ष के साथ-साथ उत्साह तथा उमंग में वृद्धि करे, यही मंगलकामना है। 67 वें गणतन्त्र दिवस की भी हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए आशा करता हूँ कि देश के संविधान में समाहित मूल भावनाओं के अनुकूल, सुदृढ़ राष्ट्र के निर्माण हेतु, हम सभी राजनीति से ऊपर उठकर गणतन्त्र मे निहित सामाजिक हितों की स्थापना के लिए कृतसंकल्पित रहेगें।

भारतीय जैन संघटना धर्म निरप्रेक्ष्य, गैरसाम्प्रदायिक एवं राजनीति से परे स्वयंसेवी संगठन है, जो सदैव से ही नैसर्गिक आपदाओं एवं सामाजिक समस्याओं के निदान हेतु कार्यरत है। इस प्रकाशन को नया कलेवर देने व अधिक समाजपयोगी बनाने की चर्चा मैंने आपसे गत अंक में की थी। इस माह से व आगामी प्रत्येक अंक में, हम विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों एवं परिपक्व वैचारिकताओं से आपको अवगत करवाएँगे जिसका उद्देश्य समाज को अधिक पुख्तता प्रदान करना है। प्रत्येक अंक में हम आपका ऐसी प्रतिभा से परिचय करवाएँगे जिनसे संस्था गौरवान्वित है क्योंकि वे समाज उत्थान एवं विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। साथ ही प्रत्येक माह ऐसी प्रतिभाओं से भी आपका परिचय करवायेंगे जो हम सभी के लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं।

12 जनवरी – को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द की 153 वी जन्म जयंती मनाई गई | युवाओं के आदर्श स्वामी जी हम सभी के प्रेरणा स्रोत्र हैं | उनका युवाओं पर अटूट विश्वास था। उन्होनें युवाओं को संदेश दिया था कि ''जागो, उठो और जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए यात्रा जारी रखों''। उन्होने कहा था कि ''हम स्वयं हमारे विचारों की ही परिणति हैं, अतः विचारों पर ध्यान दें क्योंकि वे जीवित होने के साथ-साथ दूर तक यात्रा करते हैं''। भारतीय जैन संघटना युवाओं हेतु संवेदनशील होने के साथ-साथ उद्यमिता, नए विचारों के जन्म व सामाजिक मूल्यसः समाज के उत्थान/विकास को सुनिश्चित करने हेतु युवा वर्ग को सक्षम बनाने का भागीरथ कार्य कर रहा है। हमने समय की मांग के अनुरूप युवालक्ष्यी अनेक कार्यक्रमों का निर्माण किया है जैसे कि व्यापार जागृति, व्यापार विकास कार्यशाला एवं i-Bud –Igniting Business Development, युवती सक्षमीकरण, युगल सक्षमीकरण आदि।

इस अंक मे जहां हमने युवाओं के सम्पूर्ण विकास हेतु हमारे कार्यक्रमों को नई दिशा देने संबंधी विषय को प्राध्यानता दी है वहीं पुरानी पीढ़ी से अपील भी की है कि युवा पीढ़ी को समस्या के रूप मे न लेते हुए बढ़ी हुई परस्पर दूरियों को घटाने हेतु भारतीय जैन संघटना की वैचारिकी एवं कार्यक्रमों से जुड़कर युवाओं के प्रति नवीन दृष्टिकोण अपनाएं।

हम युवा शक्ति को नमन करते हैं। हमारा यही संदेश है कि

"मंत्र पुराने काम न देंगे,
मंत्र नया पढ़ना है"

प्रफुल्ल पारख

राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुवाँ जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई सुरेश कोठारी, अहमदाबाद सुदर्शन जैन, बड़नेरा, वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, संजय सिंघी, रायपुर, राजेंद्र लुंकड़, इरोड़

युवाओं के सक्षमीकरण हेतु

भारतीय जैन संघटना के रचनात्मक प्रयास

भारतीय जैन संघटना की वैचारिकी, योजनाओं तथा कार्यक्रमों का युवाओं से प्रत्यक्ष संबंध हैं, जो अभिभावकों व पुरानी पीढ़ी के लिए आवश्यक एवं उपयोगी होने के साथ-साथ समाज हेतु आवश्यक भी है। युवाओं के सक्षमीकरण द्वारा राष्ट्र निर्माण मे उनका रचनात्मक अंशदान सुनिश्चित करना ही हमारा उद्देश्य है

युवती सक्षमीकरण

(21वीं शताब्दी की चुनौतियों का प्रतिकार)

भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से वर्ष 2015 मे 10,000 से अधिक युवतियों को सक्षम किया गया। इस कार्यक्रम के प्रति अभिभावकों ने ही नहीं अपितु शिक्षकों एवं स्वयं युवतियों ने सकारात्मक अभिगम दर्शाया है। यह कार्यक्रम अत्यंत ही आवश्यक एवं महत्वपूर्ण इसलिए नहीं है कि इसके पाठ्यक्रम मे ऐसे अनेक विषय हैं जो युवतियों को सही मार्गदर्शन देने के साथ उनमें निहित भावनात्मक नारी शक्ति को उजागर करते हैं, अपितु इसलिए भी कि दो पीढ़ीयों (अभिभावकों एवं उनकी युवा बेटियों) के बीच की दूरियों को कम करने व आपसी तालमेल तथा सामंजस्य बिठाने का यह कारगर शस्त्र है। समय के साथ बेटियों की बदलती आवश्यकताओं, सामाजिक स्थितियों एवं उनके समक्ष 21वीं सदी की सामाजिक चुनौतियों को योग्य परिप्रेक्ष्य में समझ कर, अभिभावक संवेदनाओं के सागर मे भी यथार्थताओं से परिचित होते हैं, यही इस कार्यक्रम की विशेषता है। संतानों हेतु गुणवत्तापूर्ण समय देने का विषय हो या दिन प्रतिदिन के आधार पर संतानों को प्रदान की जा रही न्यूनतम अवधि से सम्बद्ध विषय, यह कार्यक्रम अभिभावकों के मस्तिष्क पटल को झकझोर देता है और यहीं से बेटियों के प्रति उनके सामंजस्य पूर्ण सम्बन्धों के विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। इस कार्यक्रम का दीर्घकालिक प्रभाव अभिभावकों एवं बेटियों दोनों ही पर स्पष्टरूप से पड़ता है। यह मात्र कार्यक्रम नहीं अपितु सामाजिक संग्राम है जो इस देश को युवतियों के माध्यम से समाज व राष्ट्र को नई दिशा दे रहा हैं।

वैवाहिक रिश्ते

(रिश्ते तय करने की नव-अवधारणा)

भारतीय जैन संघटना के नवंबर, 2014 के पुणे राष्ट्रीय अधिवेशन में श्री शांतिलाल मुथ्था ने उपस्थित समाजजन् को संबोधित करते हुए वैवाहिक रिश्ते तय करने मे अभिभावकों की पारंपरिक भूमिका से अब भी बंधे रहने पर असंतोष व्यक्त किया। विवाह विषय पर कार्यरत एवं 30 वर्षों के अनुभव के आधार पर श्री मुथ्था ने कहा कि विवाहों के असफल होने का मुख्य कारण यही है। आपने कहा कि दोनों पात्रों के मध्य समानताओं एवं वैचारिक अनुकूलताओं (compatibility) में भिन्नता ही असफलता का दूसरा मुख्य कारण है। अभिभावकों एवं संतानों के इस विषय को लेकर मापदण्डों में भारी अंतर है। युवाओं के पास सोश्यल मीडिया के माध्यम से अन्य पात्रों के साथ अनुकूलताओं का निरीक्षण व परख करना सरल है। भारतीय जैन संघटना की वैचारिकी है कि संतानों को यह उत्तरदायित्व दिया जाये कि प्राथमिक रूप से वे योग्य पात्र को खोजे व परिवारजन को यह उत्तरदायित्व दिया जाना चाहिये कि वे संतानों द्वारा प्रस्तावित पात्रों में से एक का चयन करें। भारतीय जैन संघटना इस नवीन विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने हेतु कार्यरत है व अब तक के प्रयासों में अभिभावकों एवं संतानों दोनों का ही सकारात्मक रूख स्पष्टरूप से दृष्टिगोचर हो रहा है। अधिकांशतः समाजजन् पुरानी एवं पारंपरिक पद्धति बदलने हेतु सहमत दिखलाई देते हैं।

मेट्रीमोनियल मीट

(मांग के अनुरूप एक नवतर प्रयोग)

भारतीय जैन संघटना श्री शांतिलाल मुथ्था द्वारा प्रतिपादित वैवाहिक रिश्ते तय करने की नवीन पद्धति का मात्र प्रचार-प्रसार ही नहीं कर रहा है अपितु इस पद्धत को व्यावहारिक स्वरूप भी प्रयोगिक स्तर प्रदान कर रहा है। परिचय सम्मेलनों के स्वरूप मे व्यापक परिवर्तन कर, विवाह योग्य युवक-युवतियों को मेट्रीमोनियल मीट में सम्पूर्ण एक दिवस दिया जाता है, जहां अत्यंत ही पसंदीदा तथा विभिन्न गतिविधियों में उन्हें सामूहिकरूप से भाग लेना होता है। स्वयं की क्षमताओं एवं विशेषताओं को उजागर व अभिव्यक्त करने के साथ-साथ विपरीत पात्रों को समझने व उनकी क्षमताओं एवं आदतों का आंकलन करने हेतु उन्हें भरपूर समय उपलब्ध कराया जाता है ताकि वे उनके मापदण्डों के अनुरूप योग्य एवं अनुकूल पात्र को सूचीबद्ध कर सके। परिचय सम्मेलनों की तरह यहाँ मंच पर आकर स्वयं को प्रस्तुत करने के भार से वे मुक्त रहते हैं।

दंपत्ति सक्षमीकरण

(सुखी परिवार से सुखी घर की संकल्पना)

संस्था के 30 वर्षों के सामाजिक अनुभवों के आधार पर व विभिन्न सर्वेक्षणों, अध्ययनों एवं अनुसन्धानों से यह पाया गया कि दुखी परिवारों एवं असफल विवाहों के पीछे मूल कारण परिवार के वरिष्ठ जन का सीमा से अधिक हस्तक्षेप व अनपेक्षित पारिवारिक अपेक्षाओं का होना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से नवदंपत्तियों को उनके जीवन साथी के प्रति समानुभूति, मधुर एवं सामंजस्यपूर्ण सम्बन्धों की स्थापना हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। इस दो दिवसीय कार्यशाला मे पति व उसके माता पिता के साथ व माता (सासु) के साथ दो महत्वपूर्ण सत्रों का भी समावेश है, जिसमें बहू को समझने में परिवार के प्रत्येक पात्र को उसकी जिम्मेवारियों से अवगत कराया जाता है ताकि बहू व बेटी हेतु प्रत्येक परिवार में प्रचलित दोहरे मापदण्डों को दूर किया जा सके। यह अत्यंत ही सफल कार्यक्रम है, जो आज की युवा पीढ़ी को विवाह व विवाह के उद्देश्यों से परिचित तो कराता ही है, साथ ही पति/पत्नि के मध्य परस्पर प्रेम, समझ, धैर्य, सामंजस्य आदि को बढ़ाने हेतु आवश्यक एवं परिणामलक्षी मार्गदर्शन भी प्रदान करता है।

मंथन

युवा पीढ़ी के साथ सामंजस्यपूर्ण सम्बन्धों के संभवित नवयुग का सूत्रपात

सर्वाधिक जनसंख्या में चीन के बाद हमारा देश प्रथम क्रम पर है। किन्तु युवा जनसंख्या में हम विश्व मे प्रथम स्थान पर हैं। 45 वर्ष से ऊपर की उम्र के व्यक्ति देश में मात्र 18.3% हैं। 2001 की जनगणनानुसार 81.3% जनसंख्या 45 वर्ष से कम आयु वालों की है। सर्वाधिक युवाओं का देश भारत, निश्चित ही हम सब देशवासियों हेतु गौरव का विषय है।

21 वर्ष से कम आयु की 50% से अधिक की जनसंख्या के बल पर देश को वैश्विक महासत्ता बनाने के स्वप्न को साकार करना संभव ही नहीं आसान भी होगा।

Age Group	Population	Percentage
All Ages	**1,028,610,328**	**100**
0-4	110,447,164	10.7
5-9	128,316,790	12.5
10-14	124,846,858	12.1
15-19	100,215,890	9.7
20-24	89,764,132	8.7
25-44	284,008,819	27.6
45-64	139,166,661	13.5
65-79	41,066,624	4
80+	8,038,718	0.8
Less than 18	422,808,543	41.1
Less than 21	492,193,906	47.9
Age not stated	2,738,472	0.3

Source: C2 and C14 Table, India, Census of India 2001.

वरिष्ठ पीढ़ी का यह सौभाग्य ही माना जाएगा कि उन्हें युवा एवं भावी पीढ़ी के पालन-पोषण, देखभाल एवं निर्देशित करने आदि के अतिरिक्त उनके भावी को योग्य व सही आकार देने का उत्तरदायित्व होता है। योग्य निर्णयों के माध्यम से युवा पीढ़ी का संसाधनयुक्त विकास सुनिश्चित होना ही चाहिए व इसे समाज व देश निर्माण हेतु अवश्यंभावी प्रक्रिया के रूप मे देखा जाना चाहिए। बदलती परिस्थितियों एवं द्रुत गति से आ रहे सामाजिक व अन्य परिवर्तनों के माहौल में क्या वरिष्ठ एवं कनिष्ठ पीढ़ियों के मध्य समझ, सम्मान एवं संवेदनाएँ वांछित मात्रा मे विद्यमान है? वर्तमान युवा पीढ़ी निश्चित ही पुरानी पीढ़ी से अधिक क्षमतावान है क्योंकि उन्हें डिजिटल टेक्नोलोजी नामक छठी इंद्री का वरदान प्राप्त है। समय के साथ तालमेल बिठा लेने में युवा पीढ़ी को प्रकृतिजन्य महारथ हासिल है, किन्तु प्रतिस्पर्धा के युग मे जीवन-यापन के साथ उत्कर्ष प्रदर्शन एवं निश्चित परिणामों की प्राप्ति, युवा पीढ़ी की विवशता है और आवश्यकता भी। आज की इस नव पीढ़ी को विविध विकल्प उपलब्ध हैं, जो उनके लिए वरदान भी है और अभिशाप भी है।

क्षितिजीय दूरियों के समान, वर्तमान युग में, नई व पुरानी पीढ़ियों के मध्य विकसित हुए इस अंतर के क्या कारण हो सकते हैं? यह आत्मनिरिक्षण का विषय है कि क्या हम हमारी भावी पीढ़ी के प्रति उतने ही प्रमाण में संवेदनशील है जितना कि हमारे प्रति कभी कोई था? क्या नई पीढ़ी पर हमारी श्रद्धा एवं विश्वास व सामंजस्य वांछित मात्रा में है? परिवर्तनशील युग में, स्थापित हो रहे नित नए सामाजिक-आर्थिक समीकरणों में, क्या हमें इस अत्यंत ही प्रतिभाशाली व मेघावी पीढ़ी को स्वयं के निर्णय लेने हेतु स्वतन्त्रता देनी चाहिए? क्या हम भी इस नई पीढ़ी से कुछ सीख सकते हैं? क्या हम उनमें निहित क्षमताओं का श्रेष्ठ दोहन स्वयं व समाज हित मे कर सकते हैं? क्या उनके प्रति सफलताओं एवं असफलताओं हेतु दोहरे मापदण्डों की आवश्यकता है? नयी पीढ़ी द्वारा सार्थक जीवन के अर्थ संबंधी प्रश्नों के उत्तर खोजने में, हमारी क्या कुछ सार्थक भूमिका हो सकती है? हमारे समक्ष आज ऐसे अनेक प्रश्न हैं जो मंथन का विषय है।

नई व पुरानी पीढ़ियों के मध्य धरातलीय अंतर वास्तविकता अब बन चुका है, जो मात्र हमारे देश मे ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व में अनेक समस्याओं का कारण है। संवेदनशीलता कम होने के साथ, बढ़ती संवादहीनता की स्थिति, पुरानी व नई पीढ़ी के बीच की मानसिक व वैचारिक खाई को वृहदता प्रदान कर रही है। निर्मित हो रही इन परिस्थितियों हेतु मात्र नई पीढ़ी को उत्तरदायी ठहराना कितना उचित है? मानव प्रकृतिजन्य प्रभुत्व, क्या इस समस्या का मूल कारण है जो पुरानी एवं नई पीढ़ी के मध्य सामंजस्य बर्कारत रखने में अवरोधरूप है? या फिर वैचारिक जड़ताओं से ग्रस्त समाज स्वयं के अनुभवों पर अडिग रह कर आधुनिक युग की आवश्यकताओं के मद्देनजर परिवर्तनों हेतु सुसज्ज नहीं है। यह समस्या दिन-प्रतिदिन गहराती जा रही जिसका हल पुरानी पीढ़ी के पास ही है। मात्र दृष्टि परिवर्तन, नई व अनुकूल वैचारिकता में ही समस्या का समाधान है जिससे नई पीढ़ी के साथ आदर्श एवं मधुर सम्बन्धों के नवयुग का सूत्रपात संभव है।

बीजेएस गतिविधियाँ
भारतीय जैन संघटना : राज्य अधिवेशन

उत्तर प्रदेश

स्थान :शामली दिनांक : 29 नवंबर, 2015 उपस्थिति : 350
दीप प्रज्ज्वलन :श्रीयुत शांतिलाल मुथ्था एवं प्रफुल्ल पारख
अतिथि :श्री जंबु प्रसाद जैन
विशेष उपस्थिति :श्रीयुत महेश कोठारी एवं मनोज जैन
आयोजन :श्रीयुत मोहित जैन एवं अजय जैन, शामली
मार्ग दर्शन :श्री शांतिलाल मुथ्था ने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि नई पीढ़ी पर हम विश्वास करने में विश्वास नहीं रखते। उन्हें उनके जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय लेने हेतु स्वतंत्रता दी जानी चाहिए

कर्नाटक

स्थान : हौसपेट दिनांक : 3 जनवरी, 2016 उपस्थिति : 5500
उदघाटन कर्ता : केन्द्रीय मंत्री श्रीमती मेनका गांधी
मुख्य अतिथि : श्रीयुत नरेंद्र बलडोटा, भूतपूर्व चेयरमेन, जीटो, रजनीश गोयल, मुख्य सचिव, मानव कल्याण विभाग, बेंगलोर
विशिष्ट अतिथि : श्रीयुत आनंद सिंह, भँवरलाल नाहर, बाबूलाल जैन, महेंद्र सिंघी, रमेश बाफना
विशेष उपस्थिति : श्रीयुत गौतम बाफना, सुरेश जीरावला, राजेंद्र लूंकड़, ओमप्रकाश लुनावत, राजीव डोडनवार

मुख्य आकर्षण

1) कर्नाटक राज्य की गत दो वर्षों के कार्यकलापों पर प्रकाशित पुस्तिका का विमोचन श्रीयुत रजनीश गोयल एवं आनंद सिंह के करकमलों द्वारा।

2) श्रीमती मेनका गांधी के आहवाहन पर मैसूर शहर मे पशु चिकित्सालय मे नए आपरेशन थियेटर हेतु 25 लाख की राशि देने की समाजजन् द्वारा घोषणा। उन्होनें कहां कि पर्यावरण संरक्षण में जैन समाज का अहिंसा के संदर्भ मे योगदान आवश्यक।

3) संस्थापक श्री शांतीलाल मुथ्था ने उत्तर प्रदेश के अधिवेशन में युवा पीढ़ी की प्रशंसा करते हुए उनकी क्षमताओं के मद्देनजर उन्हें जीवन साथी के चयन हेतु स्वतन्त्रता देने की पेशकश की।

4) कर्नाटक भारतीय जैन संघटना के वर्ष 2016-18 हेतु नव अध्यक्ष श्री दिनेश पालरेचा जैन व नव सचिव श्री जयन्तीलाल धनेचा को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने शपथ दिलवाई।

महाराष्ट्र

स्थल : कुंभोज बाहुबली दिनांक :10 जनवरी, 2016 उपस्थिति : 1000
कार्यक्रम अध्यक्ष : छत्रपति साहू महाराज, कोल्हापुर
विशिष्ट अतिथि : श्री संजय घोड़ावत
मुख्य मार्गदर्शक : श्रीयुत शांतिलाल मुथ्था, प्रफुल्ल पारख
विशिष्ट वक्ता : श्री कुलभुषण बिरनाले, कोल्हापुर
विशेष उपस्थिति : श्रीयुत प्रकाशचंद सुराणा, महेश कोठारी, राकेश जैन, लुधियाना, अमर गांधी, सुश्री मालतीबेन मेहता, अहमदाबाद
स्वीकृती : संस्थापक श्री शांतिलाल मुथ्था ने आत्महत्याग्रस्त किसान परिवारों के बच्चों को समस्त महाराष्ट्र से वाघोली शैक्षणिक पुनर्वसन केंद्र, पुणे मे लाकर भारतीय जैन संघटना द्वारा उनके लालन-पालन एवं शिक्षा के उत्तरदायित्व लेने संबंधी प्रस्ताव पर उपस्थित जनसमूह ने स्वीकृती दी।

भारतीय जैन संघटना के महाराष्ट्र राज्य नवध्यक्ष हेतु वर्ष 2017-19 के लिए श्री अमर गांधी के नाम की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने की।

प्रतिभाएँ - जो हमारी प्रेरणा के स्रोत हैं

इनसे मिलिए:

श्री पारस ओसवाल

भारतीय जैन संघटना महाराष्ट्र राज्याध्यक्ष

श्री पारस भोमराज ओसवाल कोल्हापुर (महाराष्ट्र) की गणना प्रख्यात एवं नामांकित भवन निर्माताओं में होती है. कोमर्स ग्रेजुएट श्री ओसवाल की बाल्यकाल से ही भवन निर्माण में रुचि के कारण आपने इस व्यवसाय में पदार्पण किया एवं 'पूजा बिल्डर्स एंड डेव्हलेपर्स' नामक कंपनी स्थापित की जो अब कोल्हापुर नगर में पायोनियर ऑफ टाउनशिप हेतु विख्यात है.

श्री पारस ओसवाल की वर्ष 2005 में श्री शांतीलालजी मुथ्था से उनकी कोल्हापुर भ्रमण के दौरान भेंट हुई. उनकी विचारधाराओं से प्रभावित होकर श्री ओसवाल भारतीय जैन संघटना से जुड़े, कोल्हापुर में बी. जे. एस. का शुभारम्भ किया व कुछ ही वर्षों में सम्पूर्ण पश्चिम महाराष्ट्र को बी.जे. एस. से जोड़ दिया.

निसर्ग के प्रति आप सदैव सजग रहते हैं. आपकी शीघ्र ही प्रारम्भ होने वाली गृह निर्माण योजना "O2 life" स्मार्ट व्हिलेज निसर्ग की प्रतिकृति होगी. आप अनेक सेवाभावी संस्थाओं से जुड़े हैं. श्री ओसवाल अरिहंत नगरी सह.पत संस्था एवं लक्ष्मीपति व्यंकटेश्वर देवस्थान ट्रस्ट के चेयरमेन हैं. ये ट्रस्ट अनाथ बच्चों एवं देश-विदेश में अन्यत्र बसने के कारण एकाकी जीवन-यापन कर रहे वृद्धों की देखभाल करता है. सामाजिक कार्यों में नवीनता लाना आपकी अभिरुचियों में है. 'कोल्हापुर कालिंग' आपकी संकल्पना से बना एक नागरिक फोरम है जो चुनावों से लेकर पर्यावरण आदि विविध क्षेत्रों में नागरिक समानताओं एवं कर्तव्यों हेतु कार्यरत है तथा स्थानीय प्रशासन को नागरिक समस्याओं के समाधान में मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान करता है. आपको 2007 में "राष्ट्रीय निर्माण रत्न अवार्ड", "नेशनल अचिव्हमेंट अवार्ड फॉर कंस्ट्रक्शन एंड डिज़ाईन", 2009 में "ग्रेट अचिव्हर्स अवार्ड फॉर बेस्ट बिल्डर्स" एवं "उद्योजक भूषण अवार्ड 2009" से सम्मानित किया गया. श्री पारस ओसवाल, दीप स्तम्भ समान श्री शांतीलालजी मुथ्था को स्वयं का आदर्श एवं मार्गदर्शक मानते हैं एवं उनकी बतायी राह पर चलने हेतु दृढ़ संकल्पित हैं.

हमें इन पर गर्व है :

श्री जी. सी. जैन, रायपुर

श्री घेवरचंद जैन का जन्म 1933 में गाँव हरसूद जिला खंडवा (मध्यप्रदेश) में स्व.श्री सरदारमल एवं चम्पादेवी जैन के परिवार में हुआ. अद्वितीय शैक्षणिक क्षमताओं के धनी श्री जैन ने बी. काम. जबलपुर तथा सी. ए. कोटा एवं जोधपुर से किया. आपने विषारद (हिंदी) की डिग्री प्राप्त की एवं साहित्य रत्न प्रथम भाग तक शिक्षा ग्रहण की. 50 के दशक में सी. ए. बनना निश्चित ही आपकी असाधारण क्षमताओं का परिचायक है.

कर आयोजन संबंधी विचारधारा के आप प्रणेता हैं व आपने वर्ष 1958 में छत्तीसगढ़ क्षेत्र में इसे अमलीजामा पहनाया. सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में आपकी गणना अति सम्मानीय व्यक्तित्व के रूप में होती है. श्री जैन 1995 में भारतीय जैन संघटना से जुड़े. आप प्रथम व्यक्ति हैं जो भा.जे.स. को महाराष्ट्र राज्य से बाहर ले गए व छत्तीसगढ़ में स्थापित किया. आप छत्तीसगढ़ भारतीय जैन संघटना के प्रथम राजाध्यक्ष नियुक्त हुए. आपके 8 वर्षों के अध्यक्षीय कार्यकाल में भारतीय जैन संघटना को राज्य के प्रत्येक जैन परिवार तक ले जाने में आपने क्षमताओं के अनुरूप परिणामलक्षी श्रम किया. आप भारतीय जैन संघटना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर रहे व आपने अनेक वर्षों तक संस्था के ट्रस्टी पद को भी सुशोभित किया. भारतीय जैन संघटना के मासिक समाचार पत्र प्रकाशन का शुभारंभ भी आपने किया.

आपने छत्तीसगढ़ जैन समाज के विद्यार्थियों को सी.ए. बनने हेतु प्रोत्साहित कर उन्हें योग्य मार्गदर्शन प्रदान किया व सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में स्वयं स्थापित कार्यालयों में उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान कर उन कार्यालयों को उन्हें ही सुपुर्द कर दिया. ऐसा भागीरथ कार्य वो ही व्यक्ति कर सकता है जिसके पास दूर दृष्टी के साथ युवाओं के प्रति वैचारिक संवेदनशीलता हो.

आपने अनेक सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं धार्मिक संस्थाओं में सेवाएँ प्रदान की. ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस, शिक्षा दीप ट्रस्ट–रायपुर, मॉडर्न मेडिकल इंस्टिट्यूट-रायपुर, रायपुर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, जैन एजुकेशन सोसायटी-रायपुर, विश्व हिन्दू परिषद्–रायपुर, इन्कमटैक्स बार एसोसिएशन-रायपुर, रीजनल डाइरेक्ट टैक्स एड्वाईसरी कमेटी ऑफ मध्य प्रदेश, छतीसगढ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट एसोसिएशन-रायपुर, जैन पब्लिक स्कूल-रायपुर, जैन एजुकेशन सोसायटी-रायपुर के अतिरिक्त अनेक संस्थाओं में आप वरिष्ठ पदों पर रहकर समाज व देश निर्माण की प्रक्रिया में अविरत रूप से कार्यरत रहे हैं. आपको छत्तीसगढ़ जैन समाज द्वारा "जैन रत्न" से विभूषित किया गया. भा.जे.सं. ने आपको "लाईफ टाईम अचिव्मेंट अवार्ड" से नवाज़ा.

युवा प्रतिभा :

छवि रजावत

युवती जिसने देश की प्रथम MBA शिक्षित सरपंच बनने का गौरव प्राप्त किया

38 वर्षीय MBA शिक्षित युवती छवि रजावत ने भारतीय फिल्म 'पेज 3' के संवाद "तुम्हें कायदों में रहकर कायदों को बदलना है" को वास्तविक रूप से चरितार्थ कर दिखलाया. बड़े व्यावसायिक घरानों की नौकरी को तिलांजली देकर सरपंच बनी छवि आज ग्रामीण भारत के लिए कार्यरत है.

छवि का जन्म जयपुर (राजस्थान) के कछवाह राजपूत परिवार में हुआ. ग्रामीण परिवेश में पली-बड़ी छवि की प्रारम्भिक शिक्षा छोटे से गाँव सोदा (राजस्थान) में हुई. आपने स्नातक शिक्षा दिल्ली के लेडी श्रीराम कालेज से ली व MBA की डिग्री बालाजी इंस्टिट्यूट ऑफ मॉडर्न मैनेजमेंट, पुणे से प्राप्त की. आपने बड़े व्यावसायिक घरानों जैसे 'टाईम्स ऑफ इण्डिया', कार्लसन ग्रुप ऑफ़ होटल्स, एयरटेल आदि में सेवाएँ दी. तत्पश्चात व्यक्तिगत उन्नति व आरामदायक जीवन की परवाह न करते हुए, जरूरतमंदों के लिए कार्य करने हेतु स्वसंकल्पित होकर देश की प्रथम MBA शिक्षित सरपंच बनी. आप ग्रामीणों की दशा व स्तर में सुधार लाने हेतु अनेक परियोजनाओं पर कार्यरत हैं जिसमें शौचालय, ग्रामीण आवास व वर्षा जल सिंचन आदि प्रमुख हैं.

टाईम्स ऑफ इंडिया अंग्रेजी आवृत्ति में छवि के ग्रामीण राजस्थान में लाई जा रही परिवर्तन की लहर की प्रशंसा की गयी व IBN Live ने उन्हें "यंग ईन्डियन लीडर" से सम्मानित किया. स्वर्गीय राष्ट्रपति श्री अब्दुल कलाम के करकमलों से आप तकनीकी दिवस समारोह, नई दिल्ली में सम्मानित हुई. छवि रजावत युवतियों हेतु ही नहीं अपितु देश के समस्त युवा वर्ग के लिए आदर्श, अनुकरणीय एवं प्रेरणा स्रोत हैं.

अल्पसंख्यक सूचनाएँ, गतिविधियाँ एवं समाचार

अल्पसंख्यकों हेतु विश्व बैंक ने किया अनुबंध

1 जनवरी 2016 को अल्पसंख्यकों के शिक्षण व कौशल्य प्रशिक्षण की योजना "नई मंजिल' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के साथ विश्व बैंक ने समझौते पर हस्ताक्षर किये जिसमें 50 मिलियन डॉलर की क्रेडिट सुविधा देने का प्रावधान है.

इस नवअनुबंध से अल्पसंख्यक मंत्रालय की "नई मंजिल" योजना के तहत अल्पसंख्यक युवाओं के कौशल्यपूर्ण नियोजन (employment) को बढ़ावा दिया जाएगा. इस प्रकल्प का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों के लाभों से वंचित युवाओं को शिक्षा, कौशल्य प्रवीणता व नियोजन प्रदान करना है. सरकारी सर्वेक्षणों के अनुसार अल्पसंख्यक समुदायों के 17 से 35 वर्ष की आयु समूह के 20 प्रतिशत बेरोजगार है जिनकी देश के जनसांख्यिकी लाभांश (demographic dividend) को सिद्ध करने हेतु बेहतर शिक्षा, कौशल्यता के बल पर लाभकारी व उत्पादक अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है.

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने जैन समुदाय के हक़ में दिया फैसला

27 जनवरी, 2014 को भारत सरकार द्वारा जैन समुदाय को धर्म के आधार पर अल्पसंख्यक दर्ज़ा प्रदान किया गया. अनेक राज्यों ने जैन समुदाय को यह दर्ज़ा उनके राज्य में पूर्व में ही प्रदान किया हुआ था. कर्नाटक राज्य सरकार ने वर्ष 2007 से ही जैन समुदाय को अल्पसंख्यक दर्ज़ा प्रदान किया हुआ है, किन्तु राज्य सरकार की अस्पष्ट नीतियों के कारण, कर्नाटक राज्य स्थित जैन समुदाय आंशिक रूप से अल्पसंख्यक लाभों से अभी तक वंचित रहा है क्योंकि आवश्यक अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र जैन समुदाय के पंथ विशेष को ही दिए जा रहे हैं. इस विषय में समय-समय पर राज्य सरकार को प्रतिवेदन दिए गए. गत वर्ष जून माह में भारतीय जैन संघटना का प्रतिनिधि मंडल सचिव, अल्पसंख्यक मंत्रालय व निदेशालय , बैंगलोर से मिला व जैन समुदाय के पंथ विशेष के साथ हो रहे अन्याय पर चर्चा की थी. प्रतिनिधि मंडल को दिए गए आश्वासन के अनुरूप 5 अगस्त को अल्पसंख्यक निदेशालय ने समस्त जैन समुदाय को अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र देने संबंधी निर्देश सभी जिलाधीशों व राजस्व विभाग को दिए किन्तु प्रमाणपत्र जारी करने की कम्प्यूटरकृत प्रणाली में जैन समुदाय को अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र देने संबंधी सुधार नहीं किये गए, फलस्वरुप 'अटलजी जनस्नेही केंद्र' से आवश्यक प्रमाणपत्र जारी नहीं किये जा सके.

श्री आश्विन झांगड , सचिव, भारतीय जैन संघटना, कोपल (कर्नाटका) ने इस विषय में उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की थी. उच्च न्यायालय ने वर्ग 2A के अंतर्गत समस्त जैन समुदाय को अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र देने व अल्पसंख्यक मंत्रालय को वादी द्वारा दावा करने पर 90 दिनों में प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया व कार्यवाही पूर्ण करने का निर्णय दिया है.

तमिलनाडू राज्य अल्पसंख्यक आयोग में श्री सुधीर लोढा, चेन्नई पुनः नियुक्त

आगामी तीन वर्षों हेतु श्री सुधीर लोढ़ा, चेन्नई को तमिलनाडू राज्य अल्पसंख्यक आयोग में जैन समुदाय के प्रतिनिधि के रूप में सदस्य नियुक्त किया गया है. श्री सुधीर लोढ़ा की इस पद पर पुनः नियुक्ति हुई है. अल्पसंख्यक आयोग का गठन तमिलनाडू राज्य सरकार द्वारा दिनांक 28 दिसंबर 15 को तीन वर्ष की अवधि हेतु किया गया है.

तमिलनाडू जैन समुदाय अल्पसंख्यक विषय संबंधी शिकायतों या अल्पसंख्यक नियमों की जानकारी हेतु श्री सुधीर लोढ़ा को मो. 09841044955 पर संपर्क करें. भारतीय जैन संघटना श्री लोढ़ा को उनकी इस सिद्धी पर हार्दिक अभिनन्दन प्रेषित करता है.

गुजरात राज्य में जैन समुदाय को शीघ्र ही मिलेगा अल्पसंख्यक दर्ज़ा

गुजरात राज्य सरकार ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह घोषणा की है कि गुजरात राज्य में जैन समुदाय को अल्पसंख्यक दर्ज़ा देने हेतु समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं व इस सम्बन्ध में अधिकृत आदेश शीघ्रतिशीघ्र जारी किया जायेगा. अल्पसंख्यक दर्ज़ा मिलने के पश्चात गुजरात का जैन समुदाय राज्य व केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों हेतु चलायी जा रही योजनाओं का लाभ पूर्णरूप से ले सकेगा.

भारतीय जैन संघटना

at

helpminority@bjsindia.org

Minority Benefits updates नियमित रूप से प्राप्त करने हेतु आपसे प्रार्थना है कि हमारा नंबर

7769082288

आपके मोबाईल सेट में सेव्ह करें.

अधिक जानकारी हेतु हमसे संपर्क करें ।

टेलीफोन नंबर

020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012

जैन शैक्षणिक संस्थाओं हेतु कार्यशालाएं आयोजित हुई

भारतीय जैन संघटना संचालित अखिल भारत स्तरीय अल्पसंख्यक लाभ जनजागृति अभियान के अंतर्गत जैन शिक्षण संस्थाओं हेतु विशेष कार्यशालाओं का आयोजन कर उन्हें संवैधानिक अधिकारों व लाभों से अवगत कराया जा रहा है. 13 दिसंबर को नांदुर जिला बुलढाना (महाराष्ट्र) एवं 19 दिसंबर को भीलवाडा (राजस्थान) में कार्यशालाओं का आयोजन हुआ.

भारतीय जैन संघटना, जैन शिक्षण संस्थाओं के अधिकारों व लाभों पर चर्चा करने के अतिरिक्त सम्पूर्ण देश की जैन शिक्षण संस्थाओं हेतु एक मंच भी उपलब्ध कराने हेतु कार्यरत है, जिससे सरकारी नीतियों एवं योजनाओं का अमलीकरण देश हित में जैन समाज द्वारा हो सके.

Jain Yuvak Yuvati Parichay Sammelan

For **Highly Educated** *like* Engineer, Doctor, MBA, CA, CS & Post Graduates @ **Pune**

Saturday, 27 February 2016

Venue: **Hotel Ambience, Kalewadi Chowk, Wakad**

Registration Fees: Rs. 3,000/- (Candidate + 2 Parents)

Online Registration Link: http://bjsmm.bjsapps.com

For More details Contact: Shailesh Jain: 094250 89627

Last Date: 22nd February 2016

Remarriage Parichay Sammelan at Pune

For

Widow / widower / divorcee / physically challenged / unmarried boys above age 32 & unmarried girls above age 30

Sunday, 28th February 2016

Registration fees :1000/-

Last date : **20 February 2016**

Venue:

Mahaveer Prathishthan, Salisbury Park, Pune 411037

For more information contact

Shri. Rajendra Surana 93710 23161

Shri. Vijay Parakh 98224 24316

Bharatiya Jain Sanghatana, Indore

Samast Jain Samaj Matrimonial Get-Together

For

Highly Educated

like

Engineer, Doctor, MBA, CA, CS & Post Graduates

@ Indore

Series of activities that help the candidates identify the

QUALITIES

mannerisms

outlook

personality

BELIEFS AND MORALS

likes & dislikes

of other candidates

COMPATIBILITY in relations

Anxiety free environment for interaction among boys & girls

Sunday, 20th March 2016

Venue:

Hotel Sayaji,

Sayaji Mahal, Indore

RNI No.-MAHBIL 07247/2015

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Level IV, Muttha Towers, Loop Road,
Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website : www.bjsindia.org E mail : info@bjsindia.org Facebook : www.facebook.com/BJSIndia

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, ४२७, गुलटेकड़ी, पुणे – ४११०३७ से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – ४११००६ से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (०२०) ४१२००६००
Rs. 10/- Life Subscription